HW
14/11/21

अनुच्छेद लेखन

मेरा प्रिय मित्र-

आरुश मेरा प्रिय मित्र है। वह मेरे घर के पास ही रहता है। उसकी मम्मी रिसेप्शनिस्ट हैं। उसके परिवार के बीच बहुत घनिष्ठ संबंध है। हम दोनों एक ही कक्षा में पढ़ते हैं। हमारी मित्रता लगभग 5 साल पुरानी है। हम दोनों के विचार लगभग समान ही होते हैं। वह बहुत नम्र लड़का है। वह पढ़ाई में भी बहुत अच्छा है। उसकी खास बात यह है, की वह जब कोई खेल में हारता है तब वह कभी दुखी या उदास नहीं होता। वह हमेशा दूसरों की खुशी में अपनी खुशी ढूंढ लेता है। वह मुझसे कोई भी बात नहीं छिपाता। कहा जाता है की सच्चा मित्र ईश्वर का अमूल्य उपहार है। हमारी मित्रता में स्वार्थ की भावना दूर-दूर तक नहीं है। मुझे हमारी दोस्ती पर गर्व है।